हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 105 देहरादून, मंगलवार, 11 अक्टूबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

30 दिन में शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त करे मदरसा : चन्दन राम दास 3

शीतकाल के लिए बन्द हुए श्री हेमकुण्ड साहिब के कपाट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली , 10 अक्टूबर। इस वर्ष दिनाँक 22 मई 2022 को श्री हेमकुण्ड साहिब जी के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोले गये थे पूरे यात्रा काल में लगभग 2 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने श्री हेमकुण्ड साहिब जी के सकुशल दर्शन किये।पुलिस अधीक्षक चमोली श्वेता चौबे द्वारा श्री हेमकुण्ड यात्रा आरम्भ होने से पूर्व हेमकुण्ड यात्रा मार्ग में समस्त सुरक्षा व्यवस्थाओं का स्वयं निरीक्षण किया गया। यात्रियों को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा ना हो इसके लिए ड्यूटी में नियुक्त समस्त पुलिस बल एवं एसडीआरएफ को सतर्कता से ड्यूटी करने, यात्रियों के साथ मैत्री व सौहार्दपूर्ण व्यवहार करने के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया था।

जनपद पुलिस द्वारा श्री हेमकुंड साहिब आने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये थे, साथ ही हेमकुंड साहिब यात्रा मार्ग के मुख्य पड़ाव भ्युंडार एवं घाघरिया में यात्रियों की सहायता के लिए सीजनल चौकियाँ स्थापित की गई थी, जिनमें पर्याप्त पुलिस बल एवं एसडीआरएफ SDRF तैनात की गई थी।यात्रियों की सुरक्षा हेतु चमोली पुलिस एवं SDRF द्वारा चाहे बर्फबारी हो कड़कती ठंड हो, बरसात हो या फिर किसी भी प्रकार की विपरीत परिस्थिति में अपनी ड्यूटी पर मुस्तैद रहते हुए सभी श्रद्धालुओं की यात्रा को सरल एवं सुगम बनाया।यात्रा के दौरान कई श्रद्धालुओं के रात्रि के दौरान रास्ता भटकने पर, ऑक्सीजन की कमी के कारण अचानक स्वास्थ्य खराब होने पर, लैंड स्लाइड के कारण मार्ग अवरुद्ध होने पर, या फिर किसी अन्य प्रकार से मुसीबत में होने पर जनपद पुलिस एवं SDRF द्वारा तत्काल मदद व रेस्क्यू कर जान बचाई गई, जिसके लिए सभी श्रद्धालुओं द्वारा जनपद पुलिस की मुक्त कण्ठ से प्रशंसा व आभार प्रकट किया गया।

दिव्यांगता मुक्त उत्तराखण्ड के लिए सबको मिलकर प्रयास करने होंगे : मुख्यमंत्री

न्यूज वायरस नेटवर्क

देहरादून, 10 अक्टूबर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में दिव्यांगजनों के लिए कृत्रिम अंग वितरण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। महावीर सेवा सदन एवं परमार्थ निकेतन द्वारा संयुक्त रूप से कृत्रिम अंग वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराये गये।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस परमार्थ के कार्य में लगे महावीर सेवा सदन एवं परमार्थ निकेतन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिस सेवा भाव से इनके द्वारा दिव्यांगों के कल्याण के लिए कार्य किये जा रहे हैं, यह सराहनीय प्रयास है। जब हम दूसरों की मदद करते हैं तो उसका अलग आत्मीय सुख होता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दिव्यांगजनों से भेंट की एवं उनका उत्साहवर्द्धन किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि दिव्यांगता मुक्त उत्तराखण्ड के लिए सबको मिलकर प्रयास करने होंगे। दिव्यांगों के कल्याण के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। अनेक सामाजिक संस्थाएं भी इनके कल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं। उत्तराखण्ड को दिव्यांगता मुक्त बनाने के लिए सभी को

संकल्प लेना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नये भारत का नारा जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान एवं जय अनुसंधान है। देवभूमि उत्तराखण्ड से हमें 'जय दिव्यांग' के नारे को आगे बढ़ाकर दिव्यांगता मुक्त उत्तराखण्ड की शुरूआत करनी है। उन्होंने कहा कि 2024 तक उत्तराखण्ड को क्षय रोग मुक्त एवं 2025 तक ड्रग्स फ्री उत्तराखण्ड बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर परमार्थ निकेतन के संस्थापक अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती, महावीर सेवा सदन से देवेन्द्र राज मेहता एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

ये हे पहाड़ियों के मनमोहक गढ़वाली व्यंजन, खाना जरूर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारत अपने क्षेत्रीय व्यंजनों में मसालों और मनोरम स्वादों के अनूठे मिश्रण के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। उत्तराखंड, जिसे लोकप्रिय रूप से 'देवताओं की भूमि' के रूप में जाना जाता है, उन राज्यों में से एक है जो कुछ दिलचस्प और अनोखे स्वादों को समेटे हुए है। अपनी सुरम्य घाटियों और अपनी पहाड़ियों की अथाह सुंदरता के अलावा, उत्तराखंड अपने व्यंजनों के लिए प्रसिद्ध है जो दो अलग-अलग क्षेत्रों से आते हैं जो गढ़वाल की पहाड़ियां और कुमाऊं की पहाड़ियां हैं।

विशेष रूप से अनाज और अनाज पर आधारित, गढ़वाली व्यंजन सरल, स्वादिष्ट लेकिन पौष्टिक है, सुगंधित मसालों और साधारण तड़के के साथ पकाया जाता है। गढ़वाली व्यंजन स्थानीय मौसमी फसल से तैयार किए जाते हैं जो स्वादिष्ट होने के साथ-साथ स्वस्थ भी होते हैं। कुछ स्थानीय देशी मसाले गढ़वाली भोजन को विशिष्ट बनाते हैं, उदाहरण के लिए, जाखिया - सरसों के समान एक छोटा बीज, जो व्यंजन को तड़का लगाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जो स्वादिष्ट, पौष्टिक क्रंच को जोड़ता है। खाना पकाने की तकनीक सरल है और तैयारी में उपयोग किए जाने वाले मसाले प्राकृतिक रूप से पाई जाने वाली सामग्री के स्वाद को छुपाते नहीं हैं।

यहाँ देहरादून से मनोरम गढ़वाली व्यंजन हैं:

1. काफुली को गढ़वाली में ढपड़ी के रूप में भी जाना जाता है, काफुली एक स्वस्थ व्यंजन है जो पत्तेदार साग से बनाया जाता है, इसलिए यह आयरन का एक समृद्ध स्रोत है। यह मूल निवासियों के बीच सबसे अधिक पसंद किए जाने वाले व्यंजनों में से एक है।

2 . झंगौर की खीर झंगोरा बार्नयार्ड बाजरा है और कुमाऊं और गढ़वाल पहाड़ियों में बहुतायत से उगाया जाता है। अगर आप मीठी चीजों के शौकीन हैं तो यह रेसिपी आपके लिए है।

3. आलू दाल की पकोड़ी यह चाय का हमेशा से पसंदीदा नाश्ता है और बड़ों और बच्चों को समान रूप से पसंद होता है। चूंकि पहाड़ियां सर्द हैं और ज्यादातर बरसाती हैं, आप समय-समय पर इन पकौड़ों का आनंद लेना पसंद करेंगे।

कोविड एमआरएनए टीके कार्डियक अरेस्ट के खतरे को काफी बढ़ा देते हैं, जाने सबसे ज्यादा कौन हैं जोखिम?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कोविड एमआरएनए के टीके हृदय संबंधी मृत्यु के जोखिम को काफी बढ़ा देते हैं, विशेष रूप से 18 से 39 वर्ष की आयु के पुरुषों में। उनके उपयोग के खिलाफ बोलते हुए, विशेषज्ञों ने आगे सलाह दी कि दिल से संबंधित कुछ बीमारियों वाले लोगों को इन जैब्स को लेने से पहले अपने चिकित्सक से परामर्श करना चाहिए। फ्लोरिडा सर्जन जनरल डॉ जोसेफ ए लाडापो ने कहा, ₹आज, हमने कोविड - 19 एमआरएनए टीकों पर एक विश्लेषण जारी किया जिसके बारे में जनता को जागरूक होने की आवश्यकता है। इस विश्लेषण ने 18-39 पुरुषों में हृदय संबंधी मृत्यु का एक बढ़ा जोखिम दिखाया। फ्लोरिडा स्वास्थ्य विभाग (विभाग) द्वारा एक स्व-नियंत्रित केस श्रृंखला के माध्यम से विश्लेषण किया गया था, जो मूल रूप से वैक्सीन सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए विकसित एक तकनीक है। अध्ययन में एमआरएनए टीकाकरण के बाद 28 दिनों के भीतर 18-39 वर्ष की आयु के पुरुषों में हृदय संबंधी मृत्यु की सापेक्ष घटनाओं में 84% की तेज वृद्धि पाई गई।

टीका लेने के बारे में कौन सावधान रहना चाहिए?

मायोकार्डिटिस और पेरिकार्डिटिस जैसी पहले से मौजूद हृदय स्थितियों वाले मरीजों को टीकाकरण पर विचार करते समय अतिरिक्त सतर्क रहना चाहिए और अपने स्वास्थ्य सेवा प्रदाता के साथ इस पर चर्चा करनी चाहिए। यह पढ़ता है, कोविड-19 के लिए वैश्विक प्रतिरक्षा के उच्च स्तर के साथ, इस आयु वर्ग के पुरुषों में हृदय संबंधी मृत्यु के असामान्य रूप से उच्च जोखिम से टीकाकरण का लाभ अधिक होने की संभावना है। गैर-एमआरएनए टीकों में ये बढ़े हुए जोखिम नहीं पाए गए। सर्जन जनरल डॉ जोसेफ लाडापो ने कहा, ₹टीके सहित किसी भी दवा की सुरक्षा और प्रभावकारिता का अध्ययन सार्वजनिक स्वास्थ्य का एक महत्वपूर्ण घटक है।

इस बीच, भारत का पहला mRNA कोविड -19 वैक्सीन जेनोवा का GEM-COVAC-19 जल्द ही आपातकालीन उपयोग के लिए उपलब्ध होगा। कंपनी ने वैक्सीन सुरक्षा, इम्युनोजेनेसिटी और सहनशीलता का मूल्यांकन करने के लिए 4000 प्रतिभागियों पर चरण 2 और चरण 3 डेटा परीक्षण किए हैं। भारत के ड्रग रेगुलेटर ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया द्वारा जल्द ही वैक्सीन को EUA देने की उम्मीद है।

जेनोवा के अधिकारियों के अनुसार, परीक्षण के आंकड़ों से पता चला है कि टीका सुरक्षित और अच्छी तरह से सहन करने योग्य था। खुराक के 2 सप्ताह बाद मापी गई इम्यूनोजेनेसिटी ने दिखाया कि GEMCOVAC-19 कोविशील्ड से गैर-अवर है। दो-खुराक वाले टीके को 28 दिनों के अंतराल पर इंट्रामस्क्युलर रूप से प्रशासित करना होगा।

मेंढक मुद्रा इस उन्नत योग मुद्रा में छलांग लगाएं

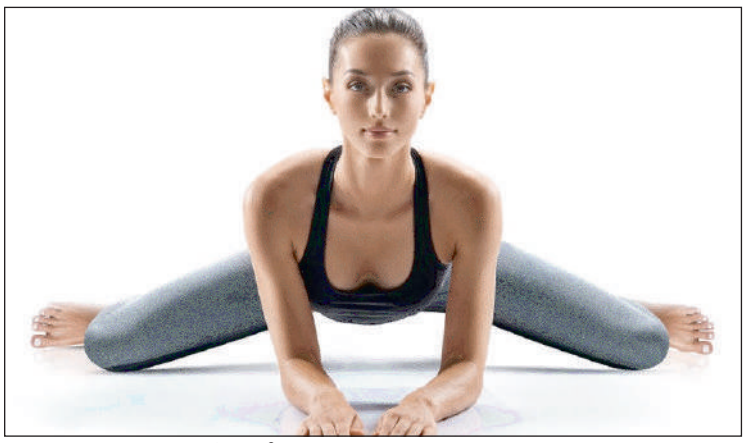

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हर किसी की योग यात्रा अलग होती है - हम सभी अपने-अपने तरीके से अलग-अलग चीजों में सुधार कर रहे हैं। लेकिन मुख्य ताकत और गतिशीलता कालातीत क्लासिक्स हैं। कौन नहीं चाहता कि पीठ के दर्द को हराकर कुर्सी से बंधे हुए आसन को सीधा किया जाए? मेंढक मुद्रा मध्यवर्ती से उन्नत योगियों को ठीक ऐसा करने में मदद करती है। आइए और जानें।मेंढक मुद्रा क्या है, और यह आपके जीवन को कैसे बेहतर बना सकती है?आपके द्वारा अनुभव की गई योग मुद्रा के सबसे तेज़, सबसे सुविधाजनक ठहरने की तैयारी करें। मेंढक मुद्रा एक योग मुद्रा है जिसे संस्कृत में मंडुकासन के रूप में भी जाना जाता है। यह एक मध्यवर्ती- से विशेषज्ञ-स्तर की स्थिति है। मेंढक कठिन है। एक ₹हिप ओपनर₹ है, जिसका अर्थ है कि यह आपके कूल्हों और आंतरिक जांघों में गतिशीलता विकसित करने में आपकी सहायता कर सकता है। यह कोर स्ट्रेंथ के लिए भी अच्छा है।

हो सकता है कि आप इसे तुरंत दूर करने में सक्षम न हों, लेकिन संशोधन आपको तैयार करने में मदद कर सकते हैं। सावधान रहें, क्योंकि यह एक उन्नत मुद्रा है। यदि आप इसे पहली बार करने का प्रयास कर रहे हैं, तो आप अपने घुटनों से कुछ दबाव हटाने के लिए एक चटाई या कंबल का उपयोग कर सकते हैं।यहां बताया गया है कि योग में मेंढक की मुद्रा कैसे करें:अपने हाथों और घुटनों से शुरू करें। आपके हाथ आपके कंधों के नीचे और आपके घुटने आपके कूल्हों के नीचे होने चाहिए। श्वास लेना। फिर, जैसे ही आप साँस छोड़ते हैं, अपने घुटनों को बाहर की ओर धकेलना शुरू करें।जब आप अपनी आंतरिक जांघों और कमर पर खिंचाव महसूस करना शुरू करते हैं, तो धक्का देना बंद कर दें और धक्का देने से पहले फिर से श्वास लें। अपने शरीर को आराम से हासिल करने से ज्यादा तनाव न दें।अपने पैरों को बग़ल में मोड़ें, ताकि आप अपने आंतरिक पैरों, टखनों और जाँघों पर आराम कर रहे हों।अपनी हथेलियों को फर्श पर सपाट रखते हुए, अपने अग्रभागों पर नीचे की ओर झुकें।5-10 सांसों के लिए खुद को यहीं रुकें।मेंढक मुद्रा से बाहर निकलने के लिए, अपने हाथों पर वापस ऊपर उठाएं, और फिर अपने घुटनों को एक साथ वापस ले जाएं।

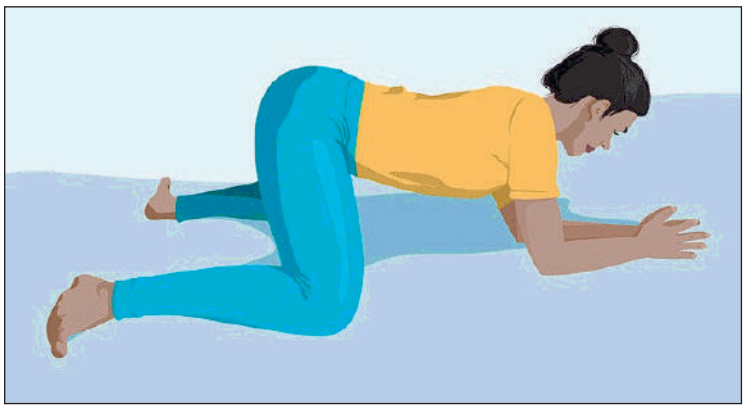

30 दिन में शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त करे मदरसा : चन्दन राम दास, समाज कल्याण मंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 11 अक्टूबर। प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री चन्दन राम दास ने विभागीय अधिकारियों के साथ समाज कल्याण विभाग एवं अल्पसंख्यक विभाग की समीक्षा बैठक की गई।मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार को बने हुए छः माह का समय हो चुका है जिसमें हमने अपने विभाग के अंतर्गत विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, छात्रवृत्ति एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार वृद्धावस्था पेंशन को बढ़ाकर 1500 रू0 प्रति माह करने का शासनादेश किया गया है। मंत्री ने कहा कि वृद्धावस्था पेंशन के तहत पति तथा पत्नी दोनों को पेंशन देने की योजना का भी क्रियान्वयन हमारी सरकार द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जनपद में स्थित छात्रावासों में रहने वाले छात्रों को भोजन के लिए दिये जाने वाले व्यय को बढ़ाकर 150 रू0 कर दिया गया है।

मंत्री ने कहा कि अटल आवास योजना के अंतर्गत मिलने वाली धनराशि को प्रधानमंत्री आवास योजना की तर्ज पर एक लाख 30 हजार करने हेतु आने वाली कैबिनेट में इसका प्रस्ताव रखा जायेगा। मंत्री ने कहा कि समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत आने वाले आईटीआई में पदों की रिक्तियों को संविदा/आउटसोर्स से भरने हेतु कार्मिक विभाग से अनुमति ली जा रही है। उन्होंन कहा कि दिव्यांगों के लिए सरकार द्वारा नौकरियों में 4% आरक्षण की व्यवस्था की गई है। मंत्री ने कहा कि विधवा की पुत्रियों, दिव्यांग की पुत्रियों के तर्ज पर कोविडकाल में अनाथ हुई बालिकाओं को प्रदेश भर से चिन्हित करते हुए विवाह हेतु समाज कल्याण विभाग द्वारा सहायता राशि प्रदान करने हेतु योजना बनाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। मंत्री ने कहा कि एससीपी और टीएसपी की योजनाओं को प्रदेश में सुचारू रूप से लागू करने हेतु आगामी एक माह के भीतर सचिव स्तरीय बैठक आहूत कर एससीपी और टीएसपी के अंतर्गत हुए आय-व्यय की भी विस्तृत समीक्षा की जायेगी। वक्फ बोर्ड के अंतर्गत जमीन का चिन्हिकरण करते हुए अनधिकृत कब्जे वाली जमीनों को खाली कराने हेतु अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये हैं।मंत्री ने कहा कि अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अंतर्गत चल रहे जिन मदरसों द्वारा सरकार से मान्यता प्राप्त नहीं की गई है उन मदरसों को सख्त चेतावनी देते हुए एक माह के भीतर शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त करने के निर्देश दिये गये है। मंत्री ने कहा कि अटल आवास योजना के अंतर्गत जरूरतमंदों को चिन्हित कर लाभ पहुंचाया जायेगा। उन्होंने कहा कि जनजाति कल्याण के अंतर्गत सात कोचिंग संस्थानों को प्रारंभ किया गया है, जिनके माध्यम से जॉब आरियंटेड कोर्स उपलब्ध कराये जायेंगे।मंत्री ने कहा कि हमारा उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति को लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास शिथिल योजनाओं को गति प्रदान करना है। इस अवसर पर सचिव समाज कल्याण विभाग एल. फनई, अपर सचिव योगेन्द्र रावत, निदेशक जनजाति संजय सिंह टोलिया तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तराखंड में 11 अक्टूबर से बढ़ सकती है बारिश और ठंड दोनों, येलो अलर्ट जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 10 अक्टूबर। उत्तराखंड में तीन दिन और बारिश होगी। इसके लिए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। 13 अक्टूबर के बाद मौसम साफ होगा। रविवार को कुमाऊं के कई जिलों समेत गढ़वाल के कुछ इलाकों में तेज बारिश हुई। वहीं, मैदानी इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश रिकॉर्ड की गई।मौसम विभाग के मुताबिक 11 , 12 और 13 अक्टूबर को हल्की से मध्यम बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है. मौसम विभाग के निदेशक डॉ. बिक्रम सिंह ने कहा कि मानसून ने दून और उत्तरकाशी के कुछ हिस्सों को छोड़ दिया है. कुमाऊं और गढ़वाल के कुछ जिलों में मानसून अभी भी बरकरार है। इस बारिश के बाद मानसून के विदा होने की संभावना है।वहीं, दून में बारिश की वजह से तापमान सामान्य से तीन से चार डिग्री नीचे पहुंच गया है. विभाग ने मंगलवार को देहरादून, पौड़ी, नैनीताल, चंपावत के लिए बारिश का येलो अलर्ट जारी कर लोगों से सावधान रहने को कहा है.

हरिद्वार पिरान कलियार में नहाते समय 3 नदी में डूबे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार, 10 अक्टूबर। हरिद्वार के पिरान कलियार में उर्स उत्सव में शामिल होने गए 10 वर्षीय बच्चे समेत तीन श्रद्धालुओं की रविवार को बावंदरा गेट पर मौसमी नदी में नहाने के दौरान डूबने से मौत हो गयी.बारिश के कारण नदी में बने तालाब जैसे ढांचों में स्नान कर रहे श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। अचानक अनस फिसल गया और गहरे पानी में डूब गया।

लड़के को बचाने की कोशिश में रजनी और खुर्शीद भी डूब गए।एसएचओ कलियार मनोहर भंडारी ने बताया, ₹तीनों शवों को बरामद कर लिया गया है और शव परीक्षण के लिए भेज दिया गया है। हालांकि हमने एक चेतावनी बोर्ड लगाया हुआ है पर तीर्थयात्रियों ने ध्यान नहीं दिया, अब साइट को अवरुद्ध कर दिया, तीर्थयात्रियों ने ध्यान नहीं दिया।₹ मृतकों की पहचान अमरोहा निवासी खुर्शीद और अलीगढ़ निवासी रजनी और अनस (10) के रूप में हुई है।

चेक बाउंस किया तो नहीं खोल पाएंगे नया अकाउंट, होगी नियमों में सख्ती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 अक्टूबर। अगर आप किसी को पेमेंट करने के लिए चेक का इस्तेमाल करते हैं तो आपको सावधान रहने की जरूरत है, नहीं तो आप किसी बड़ी परेशानी में पड़ सकते हैं. क्योंकि सरकार सरकार चेक बाउंस (Cheque Bounce) के नियमों में बड़ा बदलाव करने जा रही है. बता दें कि चेक बाउंस के बढ़ते मामलों की वजह से लीगल सिस्टम पर दबाव बढ़ रहा है. इसी को देखते हुए सरकार ने कड़े कदम उठाने का फैसला किया है. चेक बाउंस के मामलों से प्रभावी तरीके से निपटने के लिए केंद्र सरकार जल्द ही नया नियम ला सकती है, जिसके लिए कई सुझाव मिले हैं.

उद्योग संगठन पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने हाल में वित्त मंत्रालय से अनुरोध किया था कि चेक बाउंस के मामले में बैंक से पैसा निकलने पर कुछ दिन तक अनिवार्य रोक जैसे कदम उठाए जाएं, जिससे कि चेक जारी करने वालों को जवाबदेह बनाया जा सके. वित्त मंत्रालय (Finance Ministry) की ओर से अगर नया नियम लागू किया जाता है तो चेक जारी करने वाले के दूसरे अकाउंट से पैसे काटे जाएंगे. इसके साथ ही दूसरे बैंक में नए

अकाउंट खोलने पर भी रोक लगाई जा सकती है. इस तरह के कई कदमों पर वित्त मंत्रालय विचार कर रहा है.

दरअसल, चेक बाउंस के मामलों से कानूनी प्रणाली पर भार बढ़ता है. इसलिए कुछ ऐसे सुझाव दिए गए हैं, जिनमें कुछ कदम कानूनी प्रक्रिया से पहले उठाने होंगे. जैसे- अगर चेक जारी करने वाले के खाते में पर्याप्त पैसा नहीं है तो उसके दूसरे अकाउंट से राशि काट लेना. सूत्रों ने मुताबिक अन्य सुझावों में चेक बाउंस (Cheque Bounce) के मामले को कर्ज चूक की तरह लेना और इसकी जानकारी ऋण सूचना कंपनियों को देना शामिल है. इसके बाद चेक जारी करने वाले के क्रेडिट स्कोर कम किए जा सकते हैं. इन सुझावों को स्वीकार करने से पहले कानूनी राय ली जाएगी.

व्हाट्सप्प ने निकाला एक ख़ास फीचर, जानिए इस खबर में

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

यह घोषणा करने के बाद कि व्हाट्सएप एक नई सुविधा पर काम कर रहा है, जो व्यवसायों को कुछ लिंक किए गए उपकरणों पर चैट असाइन करने देता है, प्लेटफॉर्म अब व्यावसायिक खातों के लिए एक और सुविधा शुरू कर रहा है, व्हाट्सएप प्रीमियम केवल एक वैकल्पिक योजना है और कुछ देशों में कुछ बीटा टेस्टर्स के लिए उपलब्ध हो सकता है।व्हाट्सएप प्रीमियम के माध्यम से, व्यवसाय कुछ उन्नत सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं जैसे कि ग्राहकों तक पहुंचने का एक बेहतर तरीका और नए उपकरणों को जोड़ने के दौरान कुछ सुधार।इस सप्ताह, व्हाट्सएप आखिरकार कुछ व्यवसायों के लिए सदस्यता योजना जारी कर रहा है जो प्ले स्टोर और टेस्टफ्लाइट पर उपलब्ध

एंड्रॉइड और आईओएस ऐप का नवीनतम बीटा संस्करण स्थापित करते हैं।

व्हाट्सएप प्रीमियम एक वैकल्पिक प्रीमियम योजना है जो कुछ व्यावसायिक खातों के लिए उपलब्ध है, जिसमें वे व्हाट्सएप सेटिंग्स खोलकर जुड़ सकते हैं।यदि यहां ₹व्हाट्सएप प्रीमियम₹ नामक एक नया खंड है, तो इसका मतलब है कि व्यवसाय खाता योजना में शामिल होने के योग्य है, रिपोर्ट में कहा गया है।

जब कोई व्यवसाय सदस्यता शुल्क का भुगतान करके व्हाट्सएप प्रीमियम में शामिल होता है, जो देश के अनुसार भिन्न हो सकता है, तो दो नई उन्नत सेवाओं का उपयोग करना संभव है - एक कस्टम व्यापार लिंक और बहु-उपकरण के लिए महत्वपूर्ण सुधार।व्हाट्सएप प्रीमियम केवल उन व्यवसायों को कुछ सुविधाएँ देने के लिए एक वैकल्पिक योजना है, जिन्हें कुछ उन्नत सेवाओं की आवश्यकता होती है।

उत्तराखंड में बढ़ रहे डेंगू के मामले, सितंबर की शुरुआत से दिखी तेजी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 10 अक्टूबर। उत्तराखंड में डेंगू के 1,408 मामले दर्ज किए गए, जो इस साल सबसे ज्यादा है। सितंबर के बाद से मामले तेजी से बढ़े, ज्यादातर बारिश और जलभराव के कारण, अधिकारियों का मानना है, जिन्होंने वृद्धि को रोकने में सार्वजनिक भागीदारी का अनुरोध किया था। अभी तक कोई मौत नहीं हुई है।देहरादून से सबसे अधिक मामले सामने आए हैं, जिसमें सोमवार शाम तक 1053 मामले दर्ज किए गए, इसके बाद हरिद्वार (173), पौड़ी गढ़वाल (101), नैनीताल (47), टिहरी (40) और उधम सिंह नगर (9) हैं। स्वास्थ्य विभाग।अकेले देहरादून में सोमवार को एक दर्जन से अधिक ताजा मामले दर्ज किए गए। नैनीताल में तीन नए मामले दर्ज किए गए। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक एक जनवरी से 31 अगस्त तक पहाड़ी राज्य में डेंगू के 76 मामले सामने आए। वृद्धि सितंबर के साथ शुरू हुई। सितंबर के 30 दिनों और अक्टूबर के 9 दिनों में, राज्य में 1,347 मामले दर्ज किए गए।

वृद्धि का नेतृत्व देहरादून ने किया, जिसमें 31 अगस्त तक सिर्फ 34 मामले थे, जो एक

महीने में 1,019 से थोड़ा अधिक हो गया।स्वास्थ्य अधिकारियों ने लगातार बारिश, रिहायशी इलाकों और झुग्गी बस्तियों में जलभराव को जिम्मेदार ठहराया, जो उन्होंने कहा कि निवासियों द्वारा सूखा नहीं जा रहा है। अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, चंपावत, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग और उत्तरकाशी के पहाड़ी जिलों में कोई मामला नहीं था।

बारिश से फसलों के हुए नुकसान का सर्वे कराया जाए : अजय भट्ट, केंद्रीय मंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दिल्ली / नैनीताल 11 अक्टूबर। केंद्रीय रक्षा एवं पर्यटन राज्य मंत्री अजय भट्ट ने सचिव आपदा प्रबंधन तथा नैनीताल और उधम सिंह नगर जिला अधिकारी से दूरभाष पर बारिश के नुकसान को लेकर वार्ता की साथ ही बीते 3 दिनों में भारी बारिश के कारण काश्तकारों की फसलों के हुए नुकसान का आकलन करने के निर्देश दिए।

केंद्रीय मंत्री भट्ट ने आपदा प्रबंधन सविन बंसल से दूरभाष पर वार्ता कर पिछले 3 दिनों में बरसात से हुए नुकसान के बारे में जानकारी ली ।

भट्ट को सचिव आपदा प्रबंधन सविन बंसल ने बताया कि बरसात के मौसम में आपदा से निपटने के लिए इस बार एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की पर्याप्त टीमें लगाई गई है इसके साथ ही 3 नेशनल हाईवे और 3 स्टेट हाईवे और 10 जिला मार्ग इस बरसात से प्रभावित हुए हैं साथ ही कैलाश मानसरोवर मार्ग भी अवरुद्ध है जिसे खुलवाने का कार्य किया जा रहा है इसके अलावा खाद्यान्न रसद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। जिसके पश्चात पिछले 3 दिनों में नैनीताल और उधम सिंह नगर जिले में हो रही मूसलाधार बरसात से हुए नुकसान के बारे में दोनों जिला अधिकारियों से बात की ।

उन्होंने जिलाधिकारियों से तत्काल बंद सड़कों को खुलवाने के निर्देश दिए, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, एनएच, लोक निर्माण विभाग की सड़कों की जानकारी ली जिस पर नैनीताल जिले में जिला अधिकारी ने बताया कि जिले में जिला मार्ग राजमार्ग और ग्रामीण मार्ग मिलाकर 65 मार्ग अवरुद्ध है। जिन को

तत्काल खुलवाए जाने का कार्य प्रारंभ हो गया है। उधम सिंह नगर के जिलाधिकारी युगल किशोर पंत से दूरभाष पर वार्ता करते हुए निर्देश दिए की तत्काल बारिश से हुए किसानों की फसलों के नुकसान का सर्वे कराया जाए।

उन्होंने कहा कि लेखपाल स्तर पर ग्रामीण इलाकों में किसानों की फसलों के नुकसान का सर्वे होना चाहिए। इसी प्रकार श्री भट्ट ने नैनीताल जिलाअधिकारी धीराज सिंह से दूरभाष पर जिले में टूटी हुई सड़कों के हालात के बारे में जाना और तत्काल उन्हें सुचारू करने के निर्देश दिए। साथ ही पहाड़ी इलाके में कृषि और बागवानी तथा मैदानी इलाकों में में काश्तकारों की फसलों के नुकसान के तत्काल सर्वे करने के निर्देश दिए। श्री भट्ट ने कहा है कि इस बरसात ने काश्तकारों को भारी नुकसान पहुंचाया है, लिहाजा सरकारी तंत्र के स्तर पर तत्काल नुकसान के आकलन कर सर्वे रिपोर्ट तैयार होनी चाहिए। जिससे कि समय रहते किसानों को मुआवजा दिया जा सके।

भवन कर जमा ना करने वाले 10000 लोगों को किया निगम ने चिन्हित, अब होगी जुर्माने की कार्यवाही : मनुज गोयल नगर आयुक्त देहरादून

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 11 अक्टूबर , वर्तमान में नगर निगम देहरादून सीमान्तर्गत स्थित सम्पत्तियों का भवनकर स्वकर निर्धारण प्रपत्र के माध्यम से जमा कराया जा रहा है किन्तु कतिपय सम्पत्ति स्वामियों द्वारा अपने भवनों का स्वकर निर्धारण प्रपत्र वर्तमान तक नगर निगम कार्यालय में जमा नही कराया गया है। नगर निगम द्वारा वर्तमान तक 08 वार्डो में कुल 9433 ऐसे भवन चिन्हिनत किए गए है जिनके द्वारा वर्तमान तक अपने भवनकर सम्बन्धी विवरण नगर निगम कार्यालय में जमा नही कराए गया है।

नगर निगम द्वारा अन्य वार्डों में भी भवन चिन्हित किये जाने की कार्यवाही गतिमान है भवन कर अनुभाग नगर निगम देहरादून द्वारा ऐसे भवनों को सूचीबद्ध करते हुए नोटिस प्रेषित किए जाने की कार्यवाही की जा रही है तथा साफ्टवेयर के माध्यम सें एस0एम0एस0 भी प्रेषित किए जा रहे है। ऐसी सम्पत्तियों के स्वामियों को अपना स्वकरनिर्धारण प्रपत्र भरे जाने हेतु अन्तिम अवसर प्रदान किया जा रहा है उसके उपरान्त ऐसी सम्पत्तियों की सूचना शून्य मानते हुए चार गुना तक जुर्माने की कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। नगर आयुक्त देहरादून मनुज गोयल द्वारा बताया गया की नगर निगम द्वारा सम्पत्तियों का भवनकर व स्वकर निर्धारण प्रपत्र ऑनलाइन जमा करने की सुविधा प्रदान की गयी है। नए भवनकर दाताओं द्वारा अब अपनी सम्पत्तियों का स्वकर निर्धारण ऑनलाइन भरने के उपरान्त भवनकर का बिल भी प्राप्त किया जा सकता है। सम्पत्ति स्वामियों द्वारा अपने भवनकर के बिल को ऑनलाइन घर बैठकर देखते हुए अपने देयकों का भुगतान डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिग तथा क्यू आर कोड से भुगतान किया जा सकता है तथा यदि अन्य कार्य से नगर निगम में पहुचनें पर पी0ओ0एस0 के माध्यम से भी भवनकर का भुगतान किया जा सकेगा, भुगतान की रसीद भी ऑनलाइन प्राप्त हो जाएगी।सम्पत्ति स्वामी/अध्यासी अपने स्वकर निर्धारण का विवरण तथा भवनकर nagar-nigamdehradun.comपर जमा कर सकते है ।

आधार मॉनिटरिंग समिति की बैठक में डीएम सोनिका के निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 10 अक्टूबर। जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में जनपद स्तरीय आधार मॉनिटरिंग समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने 0-5 वर्ष तक के बच्चों के आधार जनरेट की स्थिति तथा जिन लोगों के आधार कार्ड 10 वर्ष से अधिक पुराने है और उसमें सूचनाएं यथा पता, फोटो आदि अद्यतन करने संबंधी जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि आधार अद्यतन करने हेतु क्षेत्रवार शिविर लगाकर आधार अपडेशन का कार्य करें साथ ही जिन क्षेत्रों में नए आधार केन्द्र खोले जाने का प्रस्ताव भी प्रेषित करें। उन्होंने प्रचार-प्रसार किए जाने के निर्देश दिए ताकि अधिक से अधिक लोग इससे लाभान्वित हो सके।

जिलाधिकारी ने जिन नागरिको द्वारा पिछले दस वर्षों से आधार में पता अपडेट नहीं किया है, उनके पत्ते का पुनः सत्यापन करना, दस्तावेज अद्यतन और 0-5 आयुवर्ग बच्चों के आधार पंजीकरण के लिए विशेष शिविरों का आयोजन एवं व्यापक प्रचार-प्रसार करने, सभी आधार सेवा केंद्रो पर आर० डी० उपकरणों की उपलब्धता, जनपद में अतिरिक्त नामांकन और अद्यतन केंद्रो की आवश्यकता और अछूते क्षेत्रों में

नामांकन केंद्रों की उपलब्धता सुनिश्चित करना। सभी आयु समूहों में आधार संतृप्ति और बच्चों का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट ई-गवर्नस आधार लिंक्ड जन्म पंजीकरण (ए०एल०बी०आर०) का कार्यान्वयन, विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन में आधार का उपयोग। आधार नामांकन केंद्रों पर गतिविधियों की निगरानी और संबंधित सी०आर०एम० और शिकायतों का अनुपालन आदि पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के.के. मिश्रा, निदेशक यूडीएआई आरडी सिंह, सीएससी (जिला प्रबंधक) राजेश सिंह, सेन्टर मैनेजर अशोक नन्द, बीडीओ डोईवाला जगत सिंह, एडीओ सहसपुर मनोज कुड़याल, बीडीओ विकासनगर आथिया प्रवेज, एबीडीओ चकराता डीपीसी चमोली, सहायक प्रबंधक शुभम त्यागी, अनिल जोशी, ई-डिस्ट्रिक मैनेजर सुरेश सिंह सहित संबंधित कार्मिक उपस्थित रहे साथ ही तहसील एवं विकासखण्ड स्तर से संबंधित अधिकारी/कार्मिक तथा जनसेवा केन्द्र के प्रतिनिधि वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहे।

विरासत आर्ट एंड हेरीटेज फेस्टिवल 2022 के दूसरे दिन की शुरुआत 'विरासत साधना' कार्यक्रम के साथ हुआ

सुरेश ईश्वर वाडकर एवं अनन्या वाडकर के जुगलबंदी ने विरासत के लोगो को मंत्रमुग्ध किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 10 अक्टूबर। विरासत आर्ट एंड हेरीटेज फेस्टिवल 2022 के दूसरे दिन की शुरुआत 'विरासत साधना' कार्यक्रम के साथ हुआ। विरासत साधना कार्यक्रम के अंतर्गत देहरादून के 19 स्कूलों ने प्रतिभाग किया जिसमें कुल 24 बच्चों ने भारतीय शास्त्रीय संगीत पर आधारित प्रस्तुतियां दी। गायन में बच्चों ने भारत के लोकप्रिय राग पर अपनी प्रस्तुति दी, वही कुछ छात्र-छात्राओं ने भरतनाट्यम, कथक, कुचिपुड़ी प्रस्तुत किया। वाद्य यंत्र पर तबला, हारमोनियम एवं सितार पर भी बच्चों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियां दी। विरासत साधना में प्रतिभाग करने वाले स्कूलों में ओजस्विनी भट्ट (सोशल बलूनी पब्लिक स्कूल) ने (राग देस) पर खूबसूरत प्रस्तुति दी उनके संगत में तबला और हारमोनियम पर योगेश और राघव ने मिलकर प्रस्तुतियों को और मनमोहक बना दिया। इसके साथ जयांशी सुकला (कॉन्वेंट जीसस एंड मैरी) संगीत (राग देस) दृष्टि कनोजिया (बनयानट्री पब्लिक स्कूल) संगीत (राग भैरव) दीपक भारद्वाज (घुंघरू कथक संगीत महाविद्यालय) वाद्य यंत्र (तबला) शिवरंजनी करमाकर (फिलफोट पब्लिक स्कूल) वाद्य यंत्र (सितार) और ऐसे ही कई अन्य स्कूलों के बच्चो ने भी अपनी प्रस्तुतियां दी। विरासत साधना कार्यक्रम सुबह 10:00 बजे से लेकर दोपहर 2:30 बजे तक चला। प्रतिभाग करने बाले सभी बच्चों को विरासत की ओर से सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।

सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ एवं डॉ प्रभाकर कश्यप और डॉ दिवाकर कश्यप के जुगलबंदी में शास्त्रीय संगीत कि प्रस्तुतियां हुई। उनके प्रस्तुतियों की शुरुआत रूपक विलाम्बित में राग यमन की खूबसूरत बंदिश 'पिया घर आए ' से हुई। उनकी अगली प्रस्तुति मध्य लय में थी, "ऐसे सुंदर सुगरवा बालम" और द्रुट लय में बंदिश के साथ समाप्त हुआ, "सप्त सुरन गुण राम को दिया" राग मिश्रा खमाज में "रखियो बलम वही नजरिया" के एक सुंदर दादरे में कार्यक्रम का समापन हुआ। उनके साथ डॉ. दिवाकर के किशोर पुत्र कुमार पद्माकर कश्यप भी मौजूद थे। उनके साथ हारमोनियम पर बेहद प्रतिभाशाली पारोमिता मुखर्जी और तबले पर वादक पंडित मिथिलेश झा जी भी मौजूद थे।

डॉ प्रभाकर कश्यप और डॉ दिवाकर कश्यप संगीतकारों के परिवार में जन्मे हैं, कश्यप बंधु, ने शुरुआती संगीत की शिक्षा अपने माता-पिता, पं. रामप्रकाश मिश्रा और श्रीमती मीरा मिश्रा से ग्रहण की हैं। बाद में दोनों को बनारस घराने के आचार्य पद्मभूषण पं. राजन मिश्रा और पं. साजन मिश्रा ने शिक्षा दी। बनारस गायकी अपनी अनूठी लयकारी और मनभावन मिठास के लिए प्रतिष्ठित है। कश्यप बंधु के पास एक शक्तिशाली और व्यक्त करने वाली आवाज है, जो तीनों सप्तक में समान रूप से पहुंचती है। उनकी प्रस्तुति त्रुटिरहित होती है और रागों के कोमल प्रकटीकरण द्वारा चिह्नित होती है। गायन की युगल शैली जिसमें अत्यधिक समन्वय की आवश्यकता होती है, दोनो ने ही इसमें कुशलता से महारत हासिल की है, जिसका अलाप और जटिल तान का प्रतिपादन मनोरम और सुंदर है।

कार्यक्रम की आखिरी प्रस्तुति लोकप्रिय पार्श्व गायक सुरेश ईश्वर वाडकर की रही जिन्होंने अपनी प्रस्तुति से विरासत में मौजुद लोगो को थिरकने पर मजबूर कर दिया। सुरेश वाडकर जी ने अपनी प्रस्तुति की शुरुआत लोकप्रिय भजन से की जिस भजन ने सभी लोगों को मंच की ओर आकर्षित कर लिया। उन्होंने अपनी पहली प्रस्तुति में 'जब कुछ नहीं भाता प्रेम रोग लग जाता से शुरूआत कि उसके बाद उन्होंने 'और इस दिल में क्या रखा है तेरा ही दर्द छुपा रखा है' गया। इसके अतिरिक्त उन्होंने अपने कई प्रचलित हिंदी गानों में प्रस्तुतियां दी जिनमें उनका साथ उनकी बेटी अनन्या वाडकर ने दिया। इसके अलावा उन्होंने अपने कुछ प्रचलित गाने भी गाए। उनके साथ उनकी संगत में रमेश मिश्रा (बैंड लीडर कीबोर्ड) कबीर दास (कीबोर्ड) दिनेश कुमार (ऑक्टोपैड) नीरज कुमार (तुम्बास एव परकशन), इमरान खान (तबला), महेश मिश्रा(ड्रमर) भुवन (लीड गिटार) रमन (बेस गिटार) में उनका सहयोग दिया।

सुरेश ईश्वर वाडकर भारतीय पार्श्व गायन में एक प्रसिद्ध नाम हैं। वे हिंदी और मराठी दोनों फिल्मों में गाते हैं। इसी के साथ उन्होंने भोजपुरी, उड़िया और कोंकणी फिल्मों में गाने गाए हैं। उन्हें सुगम संगीत के लिए 2018 के संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 2020 में, भारत सरकार ने उन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया।

किशोरावस्था में सुरेश जी को जियालाल वसंत जी ने प्रयाग संगीत समिति द्वारा प्रस्तुत "प्रभाकर" प्रमाण पत्र की दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया, उन्होंने सफलतापूर्वक अपना "प्रभाकर" पूरा किया और एक संगीत शिक्षक के रूप में मुंबई में आर्य विद्या मंदिर में अपनी सेवा दी।हालांकि भारतीय शास्त्रीय संगीत के लिए तैयार किए गए वाडकर ने 1976 में सुर-सिंगार प्रतियोगिता में प्रवेश किया। उन्होंने वह प्रतियोगिता जीती जिसे जयदेव और रवींद्र जैन सहित भारतीय फिल्म उद्योग के संगीतकारों ने जज किया। रवींद्र जैन ने उन्हें पार्श्व गायन की दुनिया से परिचित कराया और उन्होंने फिल्म पहेली में रवींद्रजी की रचना को गाया। जयदेवजी ने उन्हें गमन फिल्म में प्रतिष्ठित गीत "सीने में जलान" की भी पेशकश की।

09 अक्टूबर से 23 अक्टूबर 2022 तक चलने वाला यह फेस्टिवल लोगों के लिए एक ऐसा मंच है जहां वे शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य के जाने-माने उस्तादों द्वारा कला, संस्कृति और संगीत का बेहद करीब से अनुभव कर सकते हैं। इस फेस्टिवल में परफॉर्म करने के लिये नामचीन कलाकारों को आमंत्रित किया गया है। इस फेस्टिवल में एक क्राफ्ट्स विलेज, क्विजीन स्टॉल्स, एक आर्ट फेयर, फोक म्यूजिक, बॉलीवुड-स्टाइल परफॉर्मेंसेस, हेरिटेज वॉक्स, आदि होंगे। यह फेस्टिवल देश भर के लोगों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और उसके महत्व के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी प्राप्त करने का मौका देता है। फेस्टिवल का हर पहलू, जैसे कि आर्ट एक्जिबिशन, म्यूजिकल्स, फूड और हेरिटेज वॉक भारतीय धरोहर से जुड़े पारंपरिक मूल्यों को दर्शाता है।

रीच की स्थापना 1995 में देहरादून में हुई थी, तबसे रीच देहरादून में विरासत महोत्सव का आयोजन करते आ रहा है। उदेश बस यही है कि भारत की कला, संस्कृति और विरासत के मूल्यों को बचा के रखा जाए और इन सांस्कृतिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाया जाए। विरासत महोत्सव कई ग्रामीण कलाओं को पुनर्जीवित करने में सहायक रहा है जो दर्शकों के कमी के कारण विलुप्त होने के कगार पर था।

विरासत हमारे गांव की परंपरा, संगीत, नृत्य, शिल्प, पेंटिंग, मूर्तिकला, रंगमंच, कहानी सुनाना, पारंपरिक व्यंजन, आदि को सहेजने एवं आधुनिक जमाने के चलन में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और इन्हीं वजह से हमारी शास्त्रीय और समकालीन कलाओं को पुणः पहचाना जाने लगा है।

उत्तराखंड के हल्द्वानी में बाढ़ की नदी में बस के फंसने से 30 यात्री बाल-बाल बचे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हल्द्वानी, 10 अक्टूबर। उत्तराखंड में बारिश थमने का नाम नहीं ले रही है। तीन दिन से लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। हल्द्वानी की गौला नदी, शेर नाला और नंधौर नदी विकराल रूप में दिखाई दे रही है। हल्द्वानी सितारगंज मार्ग को जोड़ने वाली सड़क पर शेर नाला के उभार के कारण हल्द्वानी सितारगंज मार्ग को चोरगलिया में बंद कर दिया गया है. इसके बावजूद लोग जान जोखिम में डालकर अपने वाहनों को पार करने से बाज नहीं आ रहे हैं।

आलम यह है कि रोडवेज बस चालक ने उफनते नाले में बस को डाल दिया और बस नाले के बीच में बंद हो गई. बस में बैठे सवारियों की सांसें अटक गईं. गनीमत रही कि तत्परता दिखाते हुए चालक ने बस को नदी से पीछे निकाल दिया, नहीं तो कोई बड़ा हादसा हो सकता था. शेर नाले के दोनों ओर पुलिस के जवान मौजूद हैं. लोगों को नाला पार नहीं करने की अपील कर रहे हैं. उसके बावजूद भी लोग जान जोखिम डाल कर अपने वाहनों को नाले से निकाल रहे हैं. नाला पार करने के दौरान हादसे भी हो रहे हैं, लेकिन लोग हैं कि मानने को तैयार नहीं हैं.

बताया जा रहा है कि रविवार से शेर नाला में लगातार पानी बढ़ रहा है, जिसके चलते आवागमन पर विशेष ध्यान रखा जा रहा है. लेकिन लोग जान जोखिम में डालकर नाले को पार कर रहे हैं. वहीं पुलिस लोगों को नाले नहीं पार करने की गुहार लगा रही है, लेकिन लोग मान नहीं रहे हैं. एसएसपी नैनीताल पंकज भट्ट ने लोगों से अपील की है कि बरसात के दौरान पानी आने के दौरान नाले और नदियों को पार नहीं करें.

संपादकीय

मानसिक स्वास्थ्य पर बढ़े जागरूकता

मानसिक स्वास्थ्य अब भी एक उपेक्षित मुद्दा ही है, पर कोरोना महामारी के बाद इस पर काफी चर्चा हुई है. साल 2019 में हर आठ में से एक व्यक्ति तथा दुनियाभर में 97 करोड़ लोग मानसिक विकार के साथ जी रहे थे. इसमें चिंता और अवसाद सबसे आम थे. साल 2020 में महामारी के कारण चिंता और अवसाद से पीड़ित लोगों की संख्या में क्रमशः 26 और 28 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. मानसिक स्वास्थ्य के बारे में आम लोगों के बीच गंभीर गलतफहमी है तथा इसकी रोकथाम और उपचार के विकल्पों तक पहुंच बहुत कम है. हमें पेट या कमर में दर्द होता है, तो हम डॉक्टर के पास जाते हैं, लेकिन जब हम भावनात्मक रूप से पीड़ित होते हैं, तो हम मदद मांगने से क्यों कतराते हैं? वास्तव में हम उन लोगों के बारे में तुरंत ही अपनी राय बना लेते हैं, जो मानसिक स्वास्थ्य के लिए पेशेवर मदद लेते हैं. मानसिक विकार मानसिक स्वास्थ्य की ऐसी स्थिति है, जिसमें सोच तथा भावनात्मक व्यवहार पर असर पड़ता है. मानसिक स्वास्थ्य विकार जैविक, मनोवैज्ञानिक और पर्यावरणीय कारणों से उत्पन्न होते हैं. अवसाद वैश्विक विकलांगता के सबसे बड़े योगदानकर्ता के रूप में उभरा है. गंभीर डिप्रेशन आत्महत्या का भी कारण बन सकता है. विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, हर वर्ष आठ लाख से अधिक लोगों की मृत्यु आत्महत्या के कारण होती है. किशोरों एवं युवाओं (15-29 वर्ष आयु वर्ग) में आत्महत्या मृत्यु का दूसरा प्रमुख कारण बन गया है. अच्छा मानसिक स्वास्थ्य बच्चों के विकास और उनके पूरी क्षमता तक पहुंचने के लिए आवश्यक है. माता-पिता, समुदाय तथा जिम्मेदार नागरिक के रूप में यह सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य है कि हम बच्चों को एक ऐसा वातावरण प्रदान करें, जो उनके लिए सुरक्षित और उनकी उन्नति में सहायक हो. किशोरावस्था एक संवेदनशील अवस्था होती है. इस दौरान बच्चे नकारात्मक सामाजिक नियमों तथा लैंगिक भेदभावों से प्रभावित हो सकते हैं. लड़कों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपनी भावनाओं पर काबू रखें और आंसू न बहाएं, जबकि लड़कियों के साथ होने वाले भेदभाव उनके आत्मसम्मान को कम करते हैं और उनकी स्वतंत्रता पर अंकुश लगाते हैं. ये सभी तनाव, चिंता और अवसाद को ट्रिगर कर सकते हैं. हाल के वर्षों में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर लोगों की सोच और व्यवहार में परिवर्तन आये हैं, लेकिन मानसिक बीमारी को लेकर नकारात्मक मान्यताएं अभी भी हैं, जिस कारण लोग असहज महसूस कर सकते हैं तथा उन्हें आवश्यक सहयोग और सहायता प्राप्त करने में परेशानी होती है. जागरूकता तथा समझ की कमी बच्चों एवं युवाओं को अपने परिवार और दोस्तों के साथ संबंधों को भी नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकती है तथा उन्हें स्कूलों, खेलों और सामाजिक गतिविधियों से दूर कर सकती है.

रांसी-केदारनाथ ट्रैक पर फंसे बंगाल के दोनों ट्रैकर मिले, एक की मौत, दूसरा अस्पताल में भर्ती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर, 10 अक्टूबर। रांसी मनना केदारनाथ ट्रैक पर फंसे दो ट्रेकर में एक की अत्यधिक ठंड से मौत हो गई है। जबकि दूसरे ट्रैकर को घायल अवस्था में रेस्क्यू दल द्वारा केदारनाथ लाकर, अस्पताल में भर्ती किया गया है। मृतक ट्रैकर का शव आज मंगलवार को हेलिकॉप्टर से लाया जा सकता है।

सोमवार को एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के दस जवान छह पोर्टलों और दो गाइड के साथ केदारनाथ से दोनों ट्रैकर की खोज में निकले। एसडीआरएफ के हेड कांस्टेबल सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में रेस्क्यू दल भैरवनाथ मंदिर के दूसरी तरफ पहाड़ी क्षेत्र से आगे बढ़ते हुए रेस्क्यू दल चट्टानी रास्ते और भारी बर्फ के बीच से अपराह्न बाद महापंथ क्षेत्र में पहुंचा। यहां से कुछ दूर उन्हें एक टेंट लगा हुआ मिला। मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू दल ने पाया कि टेंट के अंदर एक ट्रैकर मृत पड़ा हुआ है। जबकि दूसरा ट्रैकर ठंड और बर्फ के कारण बुरी तरह घायल हो रखा है। मृतक ट्रैकर की शिनाख्त आलोक विश्वास (34) पुत्र बाबुल विश्वास, निवासी सगुना, पश्चिम बंगाल, के रूप में हुई है। जबकि घायल विक्रम मजूमदार (38) पुत्र विमान मजूमदार, 24 परगना, पश्चिम बंगाल है।

रेस्क्यू दल द्वारा घायल ट्रैकर को बमुश्किल रात्रि लगभग दस बजे केदारनाथ लाया गया है। इधर, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि रेस्क्यू दल से दोपहर बाद से संपर्क नहीं हो पा रहा था। रात्रि दस बजे दल के घायल ट्रैकर को लेकर केदारनाथ पहुंचने की सूचना मिल गई है। दल ने घायल को अस्पताल में भर्ती करा दिया है। बताया की मृतक ट्रैकर का शव मंगलवार को हेलिकॉप्टर से लाया जा सकता है।

बता दें कि बीते 2 अक्तूबर को पश्चिम बंगाल के 10 ट्रैकर का दल रांसी गांव से केदारनाथ के लिए रवाना हुआ था। दल में 8 पुरुष और 2 महिलाएं थीं। 8 ट्रैकर उसी देर रात्रि को केदारनाथ पहुंच गए थे। जबकि उक्त दो ट्रैकर ने चलने में असमर्थता जताई और महापंथ के समीप टेंट लगा दिया। बताया जा रहा है कि बीते शनिवार देर शाम को प्रशासन को इन ट्रैकर के फंसे होने की सूचना मिली थी। जिसके बात बीते रविवार को रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। लेकिन खराब मौसम के कारण रेस्क्यू शुरू नहीं हो पाया था।

उत्तराखंड में दिखी कुत्ते और सियार की क्रॉस ब्रीड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

इटली के बाद, जहां 2015 में पालतू कुत्तों और सुनहरे सियार के बीच क्रॉसब्रीडिंग की पहली ज्ञात खोज हुई थी, ऐसा ही एक मामला नैनीताल जिले के हल्द्वानी से सटे जंगलों में सामने आया है। जबकि वन्यजीव फोटोग्राफर दीपांकर खुल्बे ने पहली बार नस्ल को देखा और इसे कैमरे में कैद किया, भारतीय वन्यजीव संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ जी एस रावत ने समर्थन किया कि इस तरह के मामले पूर्वी उत्तर प्रदेश में अतीत में सामने आए हैं।

इस अद्भुत जानवर को वन्यजीव फोटोग्राफर दीपांकर खुल्बे द्वारा सियार की क्रॉस नस्ल और ₹दोजाह नाम के कुत्ते की उत्पत्ति के रूप में देखा जा रहा है।

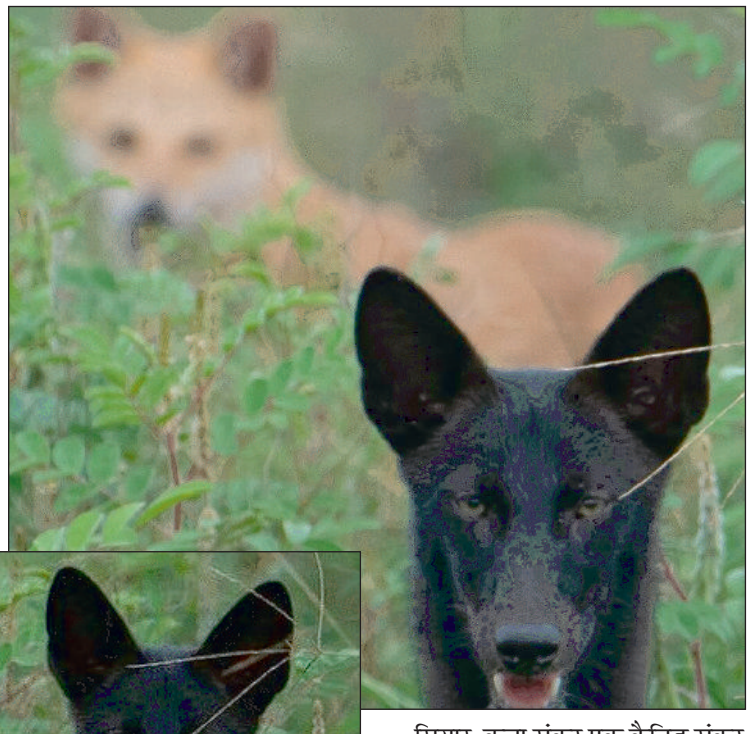

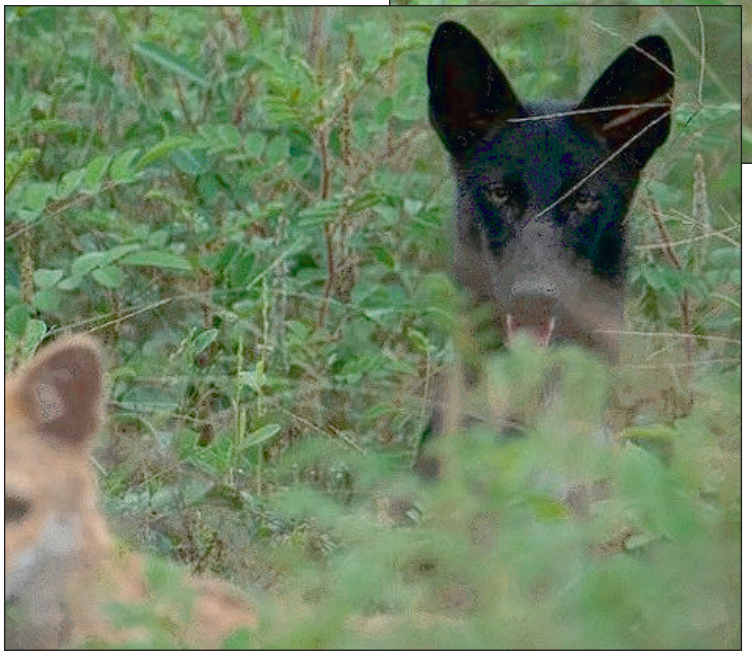

सियार-कुत्ता संकर एक कैनिड संकर है जो घरेलू कुत्ते और सुनहरे सियार के बीच संभोग के परिणामस्वरूप होता है।इस क्षेत्र में गहन शोध कार्य करने वाले पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित अनूप शाह ने भी पुष्टि की है कि यह एक दुर्लभ नस्ल है 2015 में, शिकारी इटली के पास एक सियार के शव को ले आए और पोस्टमार्टम किया और पाया कि यह कुत्ते और सियार का क्रॉस था शाह ने अपने पिछले 45 वर्षों के अनुभव में इसे ₹दुर्लभ घटना₹ करार दिया। शाह ने कहा, ₹भारत में, इसे कुछ साल पहले पूर्वी उत्तर प्रदेश के पास और बाद में हल्द्वानी के पास देखा गया है।

धान खरीद 2022-23 की समीक्षा बैठक में मंत्री रेखा आर्य ने किसानों से जानी दुश्वारियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर, 10 अक्टूबर। प्रदेश की महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, खेल एवं युवाकल्याण मंत्री रेखा आर्या ने कलक्टेªट सभागार में विभागीय अधिकारियों, किसानों व राईस मिलर्स पदाधिकारियों के साथ धान खरीद 2022-23 की समीक्षा बैठक ली। मंत्री ने धान क्रय करने में किसानों को आ रही दिक्कतों के बारे में किसानों से चर्चा कर सुझाव लिये। इस दौरान किसानों ने बताया कि जनपद में धान क्रय केन्द्र और बढ़ाया जाये व नेफैड क्रय ऐजेन्सी को धान क्रय केन्द्र न दिया जाये क्योकि किसानों को समय से भुगतान नही दिया जाता है।

जिस पर मंत्री ने सम्बन्धित अधिकारी को निर्देश दिये कि नेफैड एजेन्सी को कही भी क्रय केन्द्र न दिया जाये, नेफैड ऐजेन्सी के स्थान पर अन्य क्रय ऐजेन्सी को चयनित कर धान क्रय केन्द्र दिया जाये। किसानों ने मंत्री को अवगत कराया कि अन्य राज्यों में मानक से तीन प्रतिशत नमी और बढ़ाया जाये व वर्तमान में अधिक वर्षा होने के कारण धान की फसल काफी नुकसान हुई है, किसानों को इसका मुआवजा भी दिया जाये।

जिसपर मंत्री ने किसानों को आश्वासन देते हुये कहा कि शासन स्तर पर वार्ता कर किसानों के हित में जो भी होगा अवश्य किया जायेगा। किसानों को किसी प्रकार की समस्या नही आने दी जायेगी। उन्होने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि बरसात की वजह से किसानों

के धान के नुकसान का शीघ्र सर्वे कराये। जिससे कि किसानों के धान का हुये नुकसान का सही आंकलन हो सकें। उन्होने सभी क्रय ऐजेन्सियों व कच्चा आढ़तियों से कहा कि धान खरीद में किसानों को अनावश्यक परेशान न किया जाये तथा किसानों को समय से भुगतान किया जाये। उन्होने कहा कि किसाना हमारे अन्नदाता है किसानों की प्रत्येक समस्या का समाधान किया जायेगा। उन्होने कहा कि व्यवहारिक रूप से जो भी किसानों के लिये सहयोग होगा हम सहयोग करेगें। हमारी सरकार किसानों के हित में अनेकों कार्य कर रही है।

अपर जिलाधिकारी/धान क्रय प्रभारी जय भारत सिंह ने बताया कि जनपद में 200 धान क्रय केन्द्र खोले गये है। वर्तमान तक 1738.770 मैट्रिक टन धान क्रय किया गया है। उन्होने बताया कि उत्तराखण्ड राज्य सहकारी संघ (यूसीएफ) के 138 धान क्रय केन्द्र, एनसीसीएफ के 03 क्रय केन्द्र, पीसीयू के 20 क्रय केन्द्र, खाद्य विभाग के 25 क्रय केन्द्र व नेफैड के 14 धान क्रय केन्द्र खोले गये है।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष राज्य किसान आयोग राजपाल सिंह, मेयर रामपाल सिंह, मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा, आरएफसी कुमांऊ मण्डल बीएस चलाल, अपर जिलाधिकारी डॉ0 ललित नारायण मिश्र, जिला पूर्ति अधिकारी तेजबल सिंह, किसान ठा0 जगदीश सिंह, कर्मवीर सिंह, अमनिन्दर सिंह, लखविन्दर सिंह,जग्गा सिंह, बलविन्दर सिंह, गुरसेवक सिंह, गुरमीत सिंह सहित सम्बन्धित विभागीय अधिकारी व किसान उपस्थित थे।

सरस मेला में स्वास्थ्य सचिव डॉ आर. राजेश कुमार ने लगाई खास पाठशाला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

- अटल उत्कृष्ट गवर्नमेंट इंटर कॉलेज बरोटीवाला, गुरु नानक गर्ल्स इंटर कोलेज खुर्बुडा, दून नर्सिंग एवं दून मेडिकल कॉलेज के बच्चों को किया सम्बोधित
- बच्चों ने "टी.बी. मुक्त उत्तराखंड" "डेंगू से बचाव" "नेत्र दान – सर्वोपरि दान"

देहरादून , 10 अक्टूबर। सरस मेले 2022 में, जिला प्रशासन , ग्राम्य विकास विभाग की ओर से, 'आपका बिजनेस सोल्यूशंस' देहरादून के समन्वय से, आयोजित "सोशल अवेयरनेस प्रोग्राम" के अतर्गत आज के 'सोशल अवयेरनेस प्रोग्राम' के प्रथम सत्र के अंतर्गत, अटल उत्कृष्ट गवर्नमेंट इंटर कॉलेज बरोटीवाला विकासनगर, गुरु नानक गर्ल्स खुर्बुडा,दून नर्सिंग एवं दून मेडिकल कॉलेज के बच्चों ने "टी.बी. मुक्त उत्तराखंड" "डेंगू से बचाव" "नेत्र दान – सर्वोपरि दान" "धूम्रपान – तम्बाकू सेहत के लिए हानिकारक" विषयों पर चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया.वहीं, दोपहर 3 बजे , कार्यक्रम में, 'सोशल अवयेरनेस प्रोग्राम' के बतौर मुख्य अतिथि एवं गेस्ट स्पीकर रहे, स्वास्थ्य सचिव/ सचिव चिकित्सा शिक्षा/ एम.डी- एन.एच.एम, डॉ. आर.राजेश कुमार एवं निदेशक एन.एच.एम. – डॉ सरोज नैथानी, प्रिंसिपल दून मेडिकल कोलेज , देहरादून , जिनका स्वागत आपका बिजनेस सोल्यूशंस की संस्थापिका – डॉ.कंचन नेगी ने, पुष्पगुच्छ एवं शौल भेंट कर –किया , जिसके उपरान्त डॉ.आर.राजेश कुमार ने बच्चों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी.

उन्होंने कहा, "मानसिक सेहत के प्रति जागरूकता बढ़ने के मकसद से पूरी दुनिया में 10 अक्टूबर का दिन मेंटल हेल्थ दिवस के रूप में मनाया जाता है और आज सरस मेले के 'सोशल अवयेरनेस प्रोग्राम' के माध्यम से , सभी श्रोता "स्वास्थ्य दूत" का कार्य करें और अधिक से अधिक जन तक स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित योजनायें पहुंचाएं. उन्होंने सोशल अवयेरनेस प्रोग्राम' के बारे में भी सराहना की . उत्तराखण्ड राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तराखण्ड का, मुख्य उद्देश्य उत्तराखंड के विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों, गरीबों, महिलाओं तथा बच्चों के लिये बेहतर स्तर की स्वास्थ्य देखभाल और जन सामान्य को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है." संवाद को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से और उत्तराखंड सरकार के कुशल नेतृत्व में अटल आयुष्मान योजना वरदान साबित हुई है। प्रदेश में सभी को निःशुल्क स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने साथ ही कैशलेस चिकित्सा उपचार देने की दिशा में अटल आयुष्मान योजना प्रभावी सिद्ध हो रही है।उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि मरीजों के लिए आपातकालीन 108 एम्बुलेंस सेवा उत्तराखंड की पर्वतीय विषमताओं में सराहनीय कार्य कर रही है और सरकार ने 108 सेवा को व्यापक और सर्वसुलभ बनाने के लिए 108 सेवा के बेड़े में 272 नई एम्बुलेंस शामिल की हैं। इसके अलावा 217 बेसिक लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस, 54 एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस और एक बोट सपोर्ट एम्बुलेंस भी कार्य कर रही है। इस विशेष एम्बुलेंस सेवा का लाभ 108 पर कॉल करके लिया जा सकता है और राज्य सरकार की ओर से संचालित स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए सरकार ने एकीकृत हेल्पलाइन सेवा 104 शुरू की है । इस सेवा से कोई भी नागरिक स्वास्थ्य सेवाओं से सम्बंधित शिकायत, सुझाव या जानकारी के साथ ही स्वास्थ्य संबंधित परामर्श हासिल कर सकता है। 108 की भाँती यह भी एक निःशुल्क टोल फ्री सेवा है.यही नहीं, भारत सरकार एवं उत्तराखंड सरकार के समन्वय से जनमानस को ई -संजीवनी की सेवा का लाभ प्राप्त हो रहा है, उत्तराखंड नागरिकों को घर बैठे स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के लिए मोबाईल एप के जरिए ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन सेवा शुरू की है। इस एप के जरिए किसी भी बीमारी से पीड़ित मरीज घर बैठे विशेषज्ञ / डॉक्टरों से निशुल्क परामर्श ले सकते हैं। ई-संजीवनी के अन्तर्गत

दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्र के मरीजों को अब एम्स ऋषिकेष, दून मेडिकल कोलेज-देहरादून, राजकीय मेडिकल कोलेज हल्द्वानी, श्रीनगर मेडिल कोलेज, समस्त शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हब, 13 जिला चिकित्सालय हब तथा एनएचएम हब के विषेशज्ञ चिकित्सकों से निशुल्क परामर्श प्राप्त हो रहा है।चर्चा के दौरान डॉ.आर राजेश कुमार ने कहा कि भारत विश्व का सर्वाधिक टी0बी0 रोग से प्रभावित देशहै। अतः ऐसे में टी0बी0 उन्मूलन के लिए जनभागीदारी के इस अभियान का अपना ही एक महत्व है। राष्ट्रीय क्षःय उन्मूलन का उद्देष्य क्षय रोगियों को रोग मुक्त करना है। अतः भारत सरकार द्वारा क्षःय मुक्त भारत हेतु लक्ष्य वर्ष 2025 रखा गया है। हाल ही में मा0 राष्ट्रपती महोदया द्वारा क्षःय रोग उन्मूलन हेतु निःक्षय 2.0 अभियान का शुभारम्भ भी किया गया। इस अभियान के अन्तर्गत वर्ष 2025 तक भारत को टी0बी0 रोग से मुक्त करना है। इस हेतु उत्तराखण्ड सरकार द्वारा इससे पूर्व ही वर्ष 2024 तक इस लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम के अन्तर्गत क्षःय रोग की जाँच, उपचार एवं औषधि निःशुल्क उपलब्ध है। भारत सरकार एवं उत्तराखण्ड सरकार का यह प्रयास है कि निःक्षय मित्र के रूप में आम जनता की भागीदारी सुनिश्चित की जाये, ताकि समाज में टी0बी0 रोग के स्टिगमा को समाप्त कर एक बड़ा बदलाव लाया जा सके।वहीं एन.एच.एम की निदेशक डॉ सरोज नैथानी ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा , अटल आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनाये जाने जैसे प्रमुख कार्य किये जा रहे हैं जन आरोग्य अभियान के अंतर्गत कम्युनिटी हैल्थ ऑफिसर के द्वारा आम जनमानस के मोतियाबिंद, टी0बी0 रोग,डायबिटिज, हाईपरटेंषन, कैंसर आदि की जांच की जा रही है। एड्स जैसी घातक बीमारी से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति का संचालन किया जा रहा है इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेस में एच0आई0वी0एड्स की रोकथाम एवं नियंत्रण करना है।

इसके अन्तर्गत यौन जनित रोगों का उपचार एवं सम्पूर्ण उत्तराखण्ड में सुरक्षित एवं उच्च गुणवत्तायुक्त रक्त की उपलब्धता सुनिष्चित कराना, आर0टी0आई0, एस0टी0आई0 व एच0आई0वी0 एड्स की रोकथाम हेतु कोंडम उपलब्ध कराना, एचआईवी एड्स के प्रति आम जन को जागरूक करना है . चर्चा के अंत में उन्होंने आध्यात्मिक स्वास्थ्य के बारे में भे जानकारे दी , और बच्चों को इससे सम्बन्धित लघु फिल्में भी दिखाई गयीं.वहीं, दून मेडिकल कॉलेज के प्रिन्सिपल डॉ . सयाना जी ने , टी.बी. मुक्त उत्तराखंड, डेंगू से बचाव और नेत्र दान – सर्वोपरि दान और धूम्रपान – तम्बाकू -सेहत के लिए हानिकारक विषयों पर अपने विचार साझा किये और अंत में ,शोध एवं विकास विशेषज्ञ डॉ. कंचन नेगी ने कहा कि अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए हमें नियमित शारीरिक व्यायाम, योग, ध्यान, सन्तुलित भोजन, अच्छे विचार, स्वच्छता, व्यक्तिगत स्वच्छता, नियमित चिकित्सकीय जाँच, पर्याप्त मात्रा में सोना और आराम करना आदि की आवश्यकता होती है और हम सभी को अपने स्तर पर अपने स्वास्थ्य का भरपूर ध्यान रखना चाहिए , कार्यक्रम के अंत में, डॉ. कंचन नेगी ने डॉ. आर.राजेश कुमार , डॉ सरोज नैथानी और डॉ सयाना को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका धन्यवाद ज्ञापित किया.

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा